हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 10 मार्च 2025

तापमान

अधिकतम 32 .5 डिग्री
न्यूनतम 10 .2 डिग्री

11 अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पीजीआई एमएस में ...

12 निजी गार्डन में गोच्छवाल प्रवासी सोसायटी ...

खबर संक्षेप

एमडीयू ने राज्यपालों का किया स्वागत

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में रविवार को प्रदेश के राज्यपाल एवं एमडीयू के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और शिक्षामंत्री महिपाल ढांडा के आगमन पर कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने स्वागत किया। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने पुष्प गुच्छ भेंट कर हरियाणा के राज्यपाल एवं एमडीयू के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और शिक्षामंत्री महिपाल ढांडा का एमडीयू परिसर पहुंचने पर हार्दिक अभिनंदन किया और विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा का ब्यौरा दिया। कुलपति ने विश्वविद्यालय की भविष्य की रूपरेखा बारे भी जानकारी साझा की। हरियाणा के राज्यपाल एवं एमडीयू के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और हरियाणा के शिक्षामंत्री महिपाल ढांडा का हार्दिक स्वागत किया।

ठगी के मामले में पीड़ित को रुपये लौटाए

रोहतक। पुलिस ने क्रेडिट कार्ड से हुई 203339 रुपये की ठगी के मामले में पीड़ित को 203339 रुपये लौटाने में सफलता प्राप्त की है। महम थाना प्रभारी सत्यपाल ने बताया कि कृष्णगढ़ निवासी बिजेंद्र ने शिकायत दर्ज कराई थी। जांच में सामने आया कि 5 नवंबर 2024 को बिजेंद्र के क्रेडिट कार्ड से 203339 रुपये कट गए। बिजेंद्र ने अपने क्रेडिट कार्ड की जानकारी किसी के साथ शेयर नहीं की थी। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी द्वारा अमेजन ऐप से ऑनलाइन दो आइफोन व एक वीवो कंपनी का मोबाइल फोन झारखंड के पते पर आर्डर करना पाया गया। पुलिस टीम द्वारा अमेजन के नॉडल अधिकारी से सम्पर्क कर पूरे मामले बारे अवगत करवाया गया। अमेजन के नोडल अधिकारी की मदद से ऑर्डर को कैंसिल करवाया गया। आर्डर कैंसिल होने पर 203339 रुपये पीडित के खाते में वापिस आ गये। वारदात में शामिल रहे आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

किसान जागरूकता शिविर का आयोजन

रोहतक। गांव मकड़ोली कला में वन विभाग द्वारा किसान जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। हितेश डागर ने पर्यावरण संरक्षण एवं वन विभाग द्वारा संचालित हरियाणा सरकार की विभिन्न स्कीमों के बारे में जो कि किसानों के हित में चलाई जा रही हैं के बारे में बताया। इस दौरान पौधरोपण भी किया गया।

रोहतक। आरोपित पुलिस की गिरफ्त में।

ठगी के मामले में आरोपी से सामान बरामद

रोहतक। पुलिस ने 1 लाख 30 हजार रुपये की ठगी की वारदात में पांचवे आरोपी रवि से रिमांड के दौरान 1 लैपटॉप, 5 मोबाइल फ़ोन, 14 डेबिट कार्ड, 13 सिम, 1 पासबुक व 4500 रुपये बरामद हुए है। शहर थाना प्रभारी राजकुमार ने बताया कि रोहतक निवासी शिवांग की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि 23 नवंबर 2024 को शिवांग के पास एक फोन कॉल आया, जिसने जॉब देने के नाम पर शाइन कंपनी नाम की ऐप डाउनलोड करने बारे कहा। शिवांग के ऐप डाउनलोड करते ही शिवांग के फोन का डाटा दूसरे युवक के पास चला गया। उन्होंने शिवांग को कहा कि फीस के नाम पर क्रेडिट कार्ड से 10 रुपये की पेयमेंट करने को कहा।

दयानंद मठ में आर्य समाज की स्थापना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आर्य महासम्मेलन

स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों को घर-घर तक पहुंचाएं : बंडारू

राज्यपाल दत्तात्रेय ने आर्य सभा को 31, गुजरात गवर्नर देवव्रत और शिक्षा मंत्री ने 21-21 लाख रुपये देने की घोषणा की

राज्यपाल का संबोधन

- सभ्य समाज और राष्ट्र के निर्माण में आर्य समाज की बहुत बड़ी भूमिका होगी
- गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत महर्षि दयानंद सरस्वती के विचारों और सिद्धांतों को आगे बढ़ाने के साथ प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने का कर रहे हैं काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि समाज के निर्माण में स्वामी दयानंद सरस्वती की बहुत बड़ी देन है। हमें आर्य समाज के मूल्यों को घर-घर तक पहुंचना है और इसके लिए जन-जन में क्रांति लानी है। सभ्य समाज और राष्ट्र के निर्माण में आर्य समाज की बहुत बड़ी सार्थक भूमिका होगी। राज्यपाल दत्तात्रेय रविवार को दयानंद मठ में स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती और आर्य समाज की स्थापना के 150 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष में आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के तत्वावधान में आयोजित आर्य महासम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। आर्य महासम्मेलन की अध्यक्षता गुजरात के महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने की। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। राज्यपाल दत्तात्रेय ने आर्य सभा को 31 लाख रुपए, राज्यपाल देवव्रत और शिक्षा मंत्री ढांडा ने 21-21 लाख रुपए देने की घोषणा की। राज्यपाल दत्तात्रेय ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे महर्षि दयानंद सरस्वती के विचारों और सिद्धांतों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ देशवासियों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने का काम कर रहे हैं।

अभिवादन

रोहतक। आर्य महासम्मेलन में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत व शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा लोगों का अभिवादन स्वीकारते हुए। फोटो : हरिभूमि

सम्मान

रोहतक। आर्य महासम्मेलन में सूचना आयुक्त डॉ. कुलबीर छिक्कारा को सम्मानित करते सभामन्त्री उमेद शर्मा व आर्य समाजी। फोटो : हरिभूमि

स्वामी दयानंद सरस्वती ने सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के लिए कार्य किया

राज्यपाल दत्तात्रेय ने कहा उनके इन कार्यों की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। स्वामी दयानंद सरस्वती ने सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के लिए कार्य किया। हमें उनको मिलकर आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में युवाओं में संस्कार भरने हैं ताकि उनके सही व्यक्तित्व का निर्माण हो सके। इसके साथ ही उन्होंने विशेष कर महिलाओं और युवाओं में महर्षि दयानंद सरस्वती के विचारों के प्रति जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि समय बदलने के साथ-साथ हमारे सामने चुनौतियां भी बदल गई हैं। पहले जहां महिलाओं में शिक्षा का अभाव था, आज महर्षि दयानंद सरस्वती के विचारों की बदौलत महिलाओं ने शिक्षा पाकर उन्नति के हर उच्च मुकाम हासिल किए हैं। सामाजिक कुरीतियां समाप्त हो रही हैं। लोगों के शिक्षित होने से समाज में भेदभाव मिट रहा है। उन्होंने कहा कि आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती जहरीली खेती से निजात दिलाने, जमीन को बचाने, ग्लोबल वार्मिंग को मिटाने और नशे की दलदल में जा रही युवा पीढ़ी के जीवन को बचाने की है। उन्होंने कहा कि इन सभी समस्याओं से निजात पाने का एकमात्र उपाय प्राकृतिक खेती है। प्राकृतिक खेती को अपनाकर हम न केवल अपने स्वास्थ्य को सही रख सकते हैं बल्कि धरती माता को भी बचा सकते हैं।

प्राकृतिक खेती के लिए 1481 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्राकृतिक खेती मिशन की स्थापना की है, जिसमें इस साल 1481 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही साल भर में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने उपस्थित जन समूह से अपील करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती साहीवाल नस्ल की देशी गाय पर आधारित है, ऐसे में गाय की रक्षा गाय को घर में पालने से होगी। उन्होंने कहा कि गाय की नस्ल सुधार के लिए विशेष तकनीक इजात की गई है, जिसमें विशेष सीमन से उत्तम नस्ल की केवल बछड़ी ही पैदा होंगी। इसके लिए देश भर में 1000 मशीनें लगाई जा रही हैं। इन मशीनों के लगने के बाद हमारे देश में ही यह टीका केवल मात्र 600 रुपए में मिलेगा, जबकि यह टीका विदेश से करीब 1400 रुपए में मिलता है।

आर्य समाजियों की भारी भीड़

रोहतक। आर्य महासम्मेलन में मौजूद आर्य समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

आर्य समाज के प्रचारकों ने समाज को सही रास्ता दिखाया

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक भारत को संपूर्ण रूप से विकसित बनाने के लिए बनाए गए लक्ष्य में आर्य समाज की बहुत बड़ी भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि आर्य समाज के प्रचारकों ने हमेशा से ही समाज को सही रास्ता दिखाने के साथ-साथ सामाजिक बुराइयों को दूर करने का संदेश दिया है। आज एक बार फिर से उस प्रचार को तेज धार देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आर्य समाज के बढ़ते हुए कदम भारत को नई ऊंचाइयों तक लेकर जाएंगे। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि हमें हमारे सामने खड़ी चुनौतियों से दूर भगाने की बजाय उनका सामना करना है।उन्होंने कहा कि हमें इस अभियान को एक क्रांति का रूप देना है। नई सोच से ही नए भारत का निर्माण होगा।

कार्यक्रम में ये गणमान्य मौजूद रहे

कार्यक्रम के दौरान आर्य सभा मुम्बई के प्रधान हरीश आर्य ने कहा कि 29 व 30 मार्च को मुंबई में आर्य महासम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें देशभर से आर्य समाज के लोग शामिल होंगे। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से अधिक से अधिक संख्या में इस महासम्मेलन में शामिल होने की अपील की। आर्य महासम्मेलन के दौरान सूचना आयुक्त डॉ. कुलबीर छिक्कारा, आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान देशबंधु मदान,सभामन्त्री उमेद शर्मा, स्वामी देवव्रत, महात्मा वेदपाल,स्वामी नित्यानंद,आचार्य सत्यजीत, स्वामी सुखानंद, आचार्य ओम प्रकाश, स्वामी विपुल विद्यावाचस्पती, स्वामी सच्चिदानंद, स्वामी धर्मदेव, आचार्य ऋषिपाल, विनय आर्य, प्रशासनिक अधिकारी विजय मलिक, सेवानिवृत आईपीएस राजपाल, आचार्य वेदमित्र, विजय गौतम, मंजीत आर्य, सहित देशभर से आर्य समाज के पुरोधा एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

युवक की आंखों में मिर्च पाउडर डाला नुकीली चीज से जानलेवा हमला किया

घायल पीजीआईएमएस में दाखिल, घटना सीसीटीवी में कैद हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

घायल शुभम।

दिल्ली रोड स्थित एक मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले युवक की आंखों में 2 युवकों ने मिर्च पाउडर डाल दिया और फिर नुकीली चीज से उस पर जानलेवा हमला कर दिया। यह पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। साथ ही इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी। वहीं, घायल युवक को उपचार के लिए पीजीआई के ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया गया। सिविल लाइन थाना पुलिस केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी। सिविल लाइन थाना पुलिस को दी शिकायत में ऋषि नगर निवासी शुभम ने बताया कि वह अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी में बी फार्मेसी का छात्र है। इसी के साथ वह रात के समय मेडिकल मोड़ स्थित दयाल मेडिकल हॉल में काम करता है। 8 मार्च की देर रात को वह मेडिकल हॉल में अकेला ही था। इसी दौरान रात 2 बजकर 30 मिनट पर एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर 2 युवक आए। उन युवकों ने शुभम से एक दवाई मांगी, जो मेडिकल स्टोर में उपलब्ध नहीं थी। शुभम ने बताया कि यह दवाई उपलब्ध नहीं है तो वे युवक वहां से चले गए, लेकिन 5 मिनट बाद ही दोबारा मोटरसाइकिल पर सवार होकर मेडिकल स्टोर पहुंचे। उस दौरान शुभम कुर्सी पर बैठा हुआ था। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता उन युवकों ने आते ही शुभम की आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया।

उपायुक्त आज छोटूराम स्टेडियम से करेंगे सफाई अभियान का शुभारंभ

रोहतक। शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए जिला प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से शहर में 10 मार्च से एक विशेष स्वच्छता अभियान शुरू हो रहा है, जिसको जिला प्रशासन ने एक प्रयास-एक साथ मुहिम का नाम दिया है।

इस स्वच्छता अभियान का शुभारंभ उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा 10 मार्च को सुबह 9 बजे छोटूराम स्टेडियम से करेंगे। यह जानकारी नगराधीश अंकित कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाने तथा कचरा मुक्त बनाने को लेकर जिला प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे है।

होली पर इलेक्ट्रॉनिक पिचकारियों की धूम

रोहतक। होली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिल रही है। दुकाने रंग-बिरंगे गुलाल और पिचकारियों से भरी हैं। इस बार होली पर इलेक्ट्रॉनिक पिचकारियों की खास डिमांड देखी जा रही है। बच्चे गन के आकार की इलेक्ट्रॉनिक पिचकारी को बेहद पसंद कर रहे हैं। *फोटो: अनिल चहल*

मांग

125 साल पहले 12 गांवों ने श्रमदान कर जलाशय का निर्माण कराया था

पीर बोधी जलाशय से अवैध कब्जे हटाएं 32 एकड़ पर विकसित किया जाए : बत्तरा

मिट्टी से भरा जा रहा है, फिर अवैध रूप से प्लाट भी कट जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते विधायक भारत भूषण बत्तरा।

सरकार पीर बोधी जलाशय के कब्जे को तुरंत रोके, इस जगह का चेंज ऑफ लैंड न वक्फ बोर्ड कर सकता है, और ना विभाग, वर्तमान में उस जगह को मिट्टी से भरा जा रहा है, बाद में वहां अवैध रूप से प्लाट भी कट जाएंगे। पीर बोधी की जमीन हमारी धरोहर है, यहां से नाजायज कब्जे हटाए जाने चाहिए। यह बात रविवार को विधायक भारत भूषण बत्तरा ने पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि आज से 125 साल पहले 12 गांव ने यहां श्रमदान किया था। 32.5 एकड स्थान पर यह जोहड़ बनाया गया था ताकि वहां पर पानी इकट्ठा हो सके अगर सूखा पड़े तो भी उसका इस्तेमाल किया जा सके। बाद में उस जमीन पर कब्जा शुरू हुआ तो 32.5 एकड़ में से 12 एकड़ रह गया, लेकिन वहां पर तालाब फिर भी रहा। इस स्थान पर एक मजार बनी हुई थी। जिसकी वजह से 1991 में इसे वक्फ बोर्ड को स्थानांतरित कर दिया गया। यह वह जलाशय है जो बाढ़ के सारे पानी को संरक्षित करता है, बाद में एक्स्ट्रा पानी को घूसकानी नहर में ट्रांसफर कर दिया जाता है।

विधायक ने आरोप लगाया कि यहां अब वक्फ बोर्ड शरारत कर रहा है, भू माफिया सक्रिय है और सरकार कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि यह मामला गंभीरता के साथ वह इस बार विधानसभा में उठाने वाले हैं। यह जमीन हमारी धरोहर है, इसे बचाने के लिए सरकार इसे अपने कब्जे में लेकर नाजायज कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। बत्तरा ने कहा कि वह सरकार से मांग करते हैं कि 32 के 32 एकड़ पर जलाशय बने। इसी के साथ छोटू राम चौक पर लगातार हो रहे जल भराव का भी स्थाई समाधान हो, यहां स्थित जोहड़ को रिजर्व वेयर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में बारिश के पानी की निकासी का स्थाई समाधान हो ताकि मॉडल टाउन ,छोटू राम चौक, रेलवे रोड, पावर हाउस, हाउसिंग बोर्ड आदि इलाकों को राहत मिले।

सीएम को पत्र लिखकर 17 मांगें रखी

विधायक भारत भूषण बत्तरा ने कहा कि मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर रोहतक के लिए 17 मांगे उन्होंने रखी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर बनाने की बात कर रही है। राजीव गांधी खेल परिसर बदहाली के दौर से गुजर रहा है, खेल और खिलाड़ियों के लिए स्थापित की गई तमाम सुविधाएं जर्जर हालत में है। उन्होंने कहा कि मानसरोवर पार्क हो चाहे देवीलाल पार्क हो, या पंडित श्रीराम शर्मा पार्क, इन सभी में सिंथेटिक ट्रैक स्थापित किए जाने चाहिए।

महम। बरसाती सीजन में बाढ़ से प्रभावित होने वाले बहलबा गांव के रकबे का दौरा करते राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा। फोटो : हरिभूमि

सांसद रामचंद्र जांगडा ने बहलबा गांव के बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का दौरा किया

महम। राज्य सभा सांसद रामचंद्र जांगडा ने बहलबा गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बहलबा गांव के उस इलाके का भी दौरा किया जहां पर हर साल बारिश के मौसम में जलभराव हो जाता है और फसलें बारिश के पानी में डूब जाती हैं। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ पहुंचे थे। उन्होंने किसानों और अधिकारियों के साथ बैठक करके जलभराव की समस्या पर चर्चा की और उसे दूर करने के लिए एक योजना तैयार की। सांसद जांगड़ा ने कहा की सैमाण और अजायब गांव की तर्ज पर यहां पर भी बरसाती पानी की निकासी के लिए पाइप लाइन बिछाई जाएगी। यह पाइप लाइन बिछ जाने के बाद किसानों की फसलें बर्बाद नहीं होंगी। साथ ही गांव की बाहरी बस्तियों में भी पानी नहीं भरेगा। इस मौके पर सिंचाई विभाग के एक्सईएन अरुण कुमार, चौबीसी सर्वखाप पंचायत के बहलबा तपा प्रधान भीम सिंह, अनिल राठी, एडवोकेट वेद प्रकाश अहलावत, समेत कई किसान मौजूद थे।

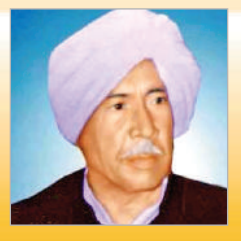

लोककवि

दयाचंद मायना हरियाणवी बोली के कवि थे। वे हरियाणा के अब तक के सबसे महत्वपूर्ण कवियों और लोकगीत कलाकारों में से एक हैं। उनका जन्म 10 मार्च 1915 को हरियाणा (तत्कालीन पंजाब) के रोहतक जिले के मायना गांव में एक वाल्मीकि परिवार में हुआ था। उन्होंने हरियाणवी सांग और रागनी का बेहतरीन निर्माण किया। उन्होंने 21 किस्सा (हरियाणवी में नाटक) और 150 से अधिक रागनियां (हरियाणवी में कविता) लिखीं। 20 जनवरी 1993 को उनका निधन हो गया।

जन कल्याण के रचनाकार कहलाए शिवचरण

जयंती विशेष

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

लोककवि शिवचरण अपने समय के एक सशक्त हस्ताक्षर थे, जिन्होंने अपनी काव्य प्रतिभा से जनमानस में नई जागृति लाने का स्तुत्य प्रयास किया। उनका लोक साहित्य और महान व्यक्तित्व युवाओं को श्रेष्ठ साहित्य रचना और सार्थक जीवन जीने की प्रेरणा देता रहेगा

प्रसिद्ध लोककवि एवं भजनोपदेशक शिवचरण का जन्म 9 मार्च 1929 को फाल्गुन मास की त्रयोदशी को महाशिवरात्रि के दिन दिल्ली देहात के ऐतिहासिक गांव नांगल ठाकरान में हुआ। शिवरात्रि के दिन जन्म होने के कारण ही इनका नाम शिवचरण रख दिया गया। इनके पिता का नाम मलूक राम तथा माता का नाम प्रेमकौर था। चार वर्ष की आयु में ही पिता का साया इनके सिर से उठ गया और इनका पालन-पोषण इनके पितृव्य निहालचंद 'निहाल' द्वारा किया गया। गौरतलब है कि निहालचंद 'निहाल' अपने समय के प्रसिद्ध लोककवि एवं लोकनाट्यकार (सांगी) थे। उनका संरक्षण प्राप्त होने के कारण बचपन से ही इनके मन में संगीत के प्रति गहरा लगाव पैदा हो गया। इन्होंने आठवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की।

पंद्रह-सोलह वर्ष की आयु में इनकी दिल्ली क्लाथ मिल में नौकरी लग गई। जहां संयोग से इन्हें संगीत का शौक एवं जानकारी रखने वाले कई सहयोगी मिल गए। अब इनके पास जब भी खाली समय होता था, ये सभी वहीं अपना गायन, वादन का अभ्यास कर लेते थे। कुछ समय बाद इन्होंने अपनी पूरी भजन-मंडली बना ली। इनके कार्यक्रमों में अधिकतर देशभक्तिपूर्ण, आध्यात्मिक व शिक्षाप्रद भजन व रागनी होते थे। इनके कार्यक्रमों का लोगों पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता था। इसके साथ-साथ ये समाजसेवा के कार्यों में भी अत्यधिक रुचि रखते थे। कुश्ती के शौकीन, मीठी-वाणी और परोपकार की प्रवृत्ति रखने वाले शिवचरण विशाल हृदयी थे तथा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' में विश्वास रखते थे। एक बार गांव नांगल ठाकरान में उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए कुएँ में गिरे एक बच्चे को बचाया तो दूसरी बार किसी कारण से दो गुटों में बंटे मांढोठी गांव के ग्रामीणों को एक स्थान पर बुलाया और उनके गिले-शिकवे दूर करवाए। जिससे सारा गांव दोबारा एकजुट हो पाया। इस पर गांव के प्रधान ने इनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि महाशय जी, आज आपने हमारे गांव को टूटने से बचा लिया। इस सुकृत के लिए हमारा गांव सदा आपका ऋणी रहेगा। इस प्रकार के अनेक प्रसंग इनके नाम के साथ जुड़े हुए हैं। लोककवि शिवचरण एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी थे। अपने पितृव्य एवं गुरु निहालचंद 'निहाल' की तरह इनके कंठ में भी मां सरस्वती का वास था। इनका गाना सुनकर श्रोता आत्मविभोर हो उठते थे। वस्तुतः इनके तीन गुरु थे। पहले, निहालचंद 'निहाल' जिनसे इन्होंने काव्य रचना और गायन विधा का ज्ञान प्राप्त किया। दूसरे, बिजवासन निवासी भूपसिंह जिनसे इन्होंने हारमोनियम बजाना सीखा और तीसरे स्वामी परमहंस, जो इनके आध्यात्मिक गुरु थे। इनकी अपने तीनों गुरुओं के प्रति अगाध श्रद्धा थी। अग्रदत्त पंक्तियों में इनके तीनों गुरुओं का वर्णन किया गया है-

'निहाल' भूपसिंह परमहंस जी तीनों को गुरु मान लिया।
गाणा और बजाणा लिखणा ब्रह्मविद्या का ज्ञान लिया।
खूब कर्या प्रचार ज्ञान का दूध और पाणी छान लिया।
सही बात है सही आदमी फेर लोगां नै भी जान लिया।
देश धर्म केगाणे मैं ला अपनी उम्र तमाम गए।।
छोड़ दिया परिवार नार संसार पहुँच धुर धाम गए।।

लोकगायकों और सांगियों में अपने गायन के श्रीगणेश में मंगलाचरण व गुरु-स्मरण की परंपरा देखने को मिलती है। वे भी अपने कार्यक्रम का आगाज इसी प्रकार करते थे। उदाहरण के लिए मां भवानी की भेंट के कुछ अंश प्रस्तुत हैं-

अजब तेरी शान का री, कोन्या भेद किसी नै पाया।।
कहै शिवचरण सभा मैं आओ, माई गाणे मैं रंग बरसाओ, मुझ मूर्ख को सही बताओ,
रास्ता ज्ञान का री, ध्यान मनै थारे चरणां मैं लाया॥

लोककवि शिवचरण के व्यवहार, चरित्र एवं जन्मस्थली आदि के सन्दर्भ में उनके परिजनों एवं पुरजनों से प्राप्त जानकारी के साथउनके काव्य से भी इसकी यथेष्ट जानकारी मिलती है। जैसे-

शिवचरण नै थारा विश्वास सै,
मन मैं पूरी - पूरी आस सै,
मेरा खास सै नांगल गाम, सच्चा धाम,
मुख से नाम,राम जी का टेरा जी।।

उनके काव्य में लोकाचार के दर्शन होते हैं। लोकजीवन में कन्यादान को सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है, जो व्यक्ति अपनी जवान बेटी का विवाह समय पर नहीं कर पाता तो उसकी निंदा होती है। अतः लोकनिंदा से बचने के लिए

कविवर शिवचरण जीवनभर लोकरंजन एवं लोकमंजन के लिए काव्य-साधना और लोकसंस्कृति के प्रचार-प्रसार में जुटे रहे

द्रौपदी की माँ राजा द्रुपद से अपनी बेटी के हाथ पीले करने का अनुरोध करती है। वह राजा को उसके कर्त्तव्य का बोध इस प्रकार करवाती है-

स्याणी बेटी-भाण कंवारी, ना ठीक बाप के घर पै।
गृहस्थ-धर्म की रीत पुराणी, फर्ज बाप के सिर पै।।

हमारी संस्कृति की बिसात तप, त्याग, दया, धर्म, पुण्य, दान आदि अनेक उदात्त तत्त्वों से बुनी गई है। गृहस्थ आश्रम को सब से श्रेष्ठ माना गया है, क्योंकि अन्य सभी आश्रम इसी पर आधारित हैं। कवि ने समाजोपयोगी लोकाचार को अपनाने का उपदेश इस प्रकार दिया है-

दया धर्म और शील-सुभा लक्ष्मी का वास कहैं सैं।
इस गृहस्थ धर्म नै वेद-शास्त्र, भक्ति खास कहैं सैं।।
अपणा-अपणा फर्ज समझ कै, पूरा प्रण निभावैं।
माँ-बाप करैं सो बेटा-बेटी, न्यूँ दुनिया कहती आवै।
मात-पिता का फर्ज बालकाँ तै, आच्छी बात सिखावै।
लिखा-पढ़ा कै करैं श्यामर्थ, जिन्दगी सफल करावै।

लोकजीवन में श्रद्धा-भक्ति की मन्दाकिनी अबाध गति से प्रवहमान है। अशिक्षित एवं अर्धशिक्षित लोगों की धर्म एवं भक्ति में अगाध आस्था है। इन्होंने लोकमानस की इस आस्था को बनाए रखने एवं इसे और पुष्ट करने के लिए लोगों को इस प्रकार सचेत किया है-

नहीं मरे का शोक किसे नै, बिरथाए जिंदगी खो चाल्या।
लोक परलोक बिगाड़े दोनों ना मनुष जन्म हर बार मिलै।।
निहालचंद सतगुरु के संग मेरा जन्म-जन्म का नाता है।
पूरी शक्ति मिलै गुरुमुख नै जो शरण गुरु की जाता है।
भक्ति-दान गुरु से मिलता वो ब्रह्मविद्या का दाता है।
जिस पै मौज गुरु की होज्या वो परमगति को पाता है।
शिवचरण पै मेहर फेर दयो जो सार शब्द का तार मिलै।।

लोककवि शिवचरण की रचनाओं में जीवन के सभी आयाम सहज रूप से उद्घाटित हुए हैं। सामाजिक सरोकारों एवं नैतिक मूल्यों के साथ-साथ देशप्रेम की भावना भी उनके काव्य में हिलोरें मार रही है। सन् 1965 के भारत-पाक युद्ध के उपरान्त दिल्ली में कड़ेखां नामक स्थान पर तत्कालीन लोककवियों के मध्य देशप्रेम के गीतों से सम्बद्ध एक प्रतियोगिता हुई, जिसमें इनके अग्रदत्त राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत गीत को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ-

भारत माँ के पूत ऊठ इब, देर तनै क्यूँ लाई।
पाकिस्तान मानता ना करी हिन्द नै बहोत समाई।।

पुराने समय में नैतिक मूल्यों की बड़ी कद्र थी। बड़े-बूढ़ों का आदर सम्मान था लेकिन समय ने करवट बदली और समाज का सारा ताना-बाना बिखरने लगा। ऐसी भयंकर स्थिति को देखकर कविवर शिवचरण का मन अकुला उठा। समाज को दशा एवं दिशा दिखाती उनकी अग्रदत्त रचना की एक-एक पंक्ति गौर करने लायक है-

कई लड़की हों जिस माणस कै, उसकी श्यामत आवै सै।
लड़का देखण की सोचै जब, पहल्याएँ घबरावै सै।
बेशक लड़का अनपढ़ हो पर, उलट-पुलट बतळावै सै।
नगद दान लाखों मैं पोंहचै, अर कार - स्कूटर चाहवै सै।
फेरे लेकै दें छोड़ फेर भी, न्यूँ जीणा दुश्वार होया।।
सतपुरुषों की कद्र रही ना, झूठ्याँ का विस्तार होया।।

जीवन के अंतिम वर्षों में इनका अधिकतर समय हरि भजन में व्यतीत होने लगा। स्वर्गवास से कुछ दिन पहले अचानक इनका स्वास्थ्य ज्यादा खराब हो गया। दवाइयों ने भी कोई असर नहीं दिखाया। 10 जनवरी 1997 को सवेरे के समय इनके सुपुत्र रामबीर सिंह 'राम', पास बैठे थे, उनको परोपकार, समाजसेवा और अन्य शुभ कार्यों के लिए प्रेरित किया और अपनी एक प्रसिद्ध रचना की निम्नलिखित पंक्तियां सुनाते हुए परमधाम के लिए प्रस्थान कर गए-

दान-पुण्य करणे तै मनुष की कला सवाई होज्या।
बणा कुएं बाग स्कूल धर्मशाला सफल कमाई होज्या।
धर्म - कर्म नहीं छुपै कुटुंब की मान-बड़ाई होज्या।
शिवचरण वरदान मिलै खुश दुर्गे माई होज्या।
सतगुरुजी की मेहर फिरै जब शिष्य नै पास कहैं सैं।।

कविवर शिवचरण जीवनभर लोकरंजन एवं लोकमंजन के लिए काव्य-साधना और लोकसंस्कृति के प्रचार, प्रसार में जुटे रहे। उन्होंने लोक-कल्याण में अपना सारा जीवन लगा दिया। इनके निधन के उपरान्त इनके अनेक शिष्य इनकी परम्परा को आगे बढ़ा रहे हैं, जिनमें सुरेश रोहिल्ला, महेन्द्र सिंह व रामबीर सिंह 'राम'प्रमुख हैं। इनके सुपुत्र रामबीर सिंह 'राम' उनके ही संस्कारों से आज हरियाणवी साहित्यकारों में उच्च सम्मान पाते हैं। 'राम' विशेष रूप से काव्य-रचना में सक्रिय हैं। उन्होंने कविराज शिवचरण के जीवनवृत्त को एक भजन के रूप में प्रतिपादित किया है। उसके कुछ अंश पेश हैं-

पिता छोड़ कै चल्या गया मनैं ढूंढ्या बहोत मिल्या कोन्या।
साच बताऊँ तात बिना कदे मन का चमन खिल्या कोन्या।
सिर पै धर दिया हाथ साथ ले रामबीर का प्रणाम गए।।
छोड़ दिया परिवार नार संसार पहुँच धुर धाम गए।।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि लोककवि शिवचरण अपने समय के एक सशक्त हस्ताक्षर थे। जिन्होंने अपनी काव्य प्रतिभा से जनमानस में एक नई जागृति लाने का स्तुत्य प्रयास किया। उनका लोक साहित्य और महान व्यक्तित्व युवाओं को श्रेष्ठ साहित्य रचना और सार्थक जीवन जीने की प्रेरणा देता रहेगा, ऐसा हमारा विश्वास है।

कुण्डलिया **सत्यवीर नाहड़िया**

फाग्गण खूग्या वो दिखे...

न्यारी होवै थी कदे, फाग्गण की सौगात।
इब फाग्गण की ना रह्यी, पहलम आळी बात।
पहलम आळी बात, रात नै गाया करते।
बजा नगाड़े-ढप्प, चुगरदे छाया करते।
बड़ी-बूढ़ळी साँग, काढ़ती मिलकै सारी।
रात चाँदणी बीच, छटा होवै थी न्यारी।।

त्यारी डांडे तै सदा, होया करती खास।
भाईचारा आपसी, आया करता रास।
आया करता रास, आस नित नयी जगाते।
ढाल-बिड़कले गैल, कूकड़ी भोत बणाते।
ऊँच्ची होळी रोज, बणाते मिलकै भारी।
गाकै होळी भोत, हुवै थी न्यारी त्यारी।।

फाग्गण खूग्या वो दिखे, नहीं बच्यी वै बात।
भाईचारा ना रह्या, बदल्ये न्यूँ हालात।
बदल्ये न्यूँ हालात, टांड पै धरे नगाड़े।
गोबर-गारा गैल, धुत्त हो करते खाड़े।
चाल्ली पछवा पौन, रीत न्यूँ लाग्ये त्यागण।
गूँज्या करता भोत, रात चाँदण म्हैं फाग्गण।।

कविता **इंद्र सिंह लांबा**

हर की भूमि

धन्य धन्य धरा हरियाणा हर की भूमि कहलाती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।

श्री कृष्ण नैं कर्म करण की जो बात कही सै गीता मैं।
यहां कर्मठता से दिखा दिया विश्वास उन्हीं की रीता मैं।
यहां तीज त्यौहार हंस खिल के आते, रहणा प्यार प्रीता मैं।
सांझ ढले चौपाल बैठकर जिक्र चालैं मीता मैं।

खेल खिलाड़ी म्हारे अगाड़ी, धरती मां इतराती है।
ज्ञानी, ध्यानी, वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।

सूरदास और ऋषि दयानंद यहां हुए तपधारी थे।
नाहर सिंह और तुला राव सदा अंग्रेजों पर भारी थे।
नेकीराम और श्रीराम शर्मा आजादी के पुजारी थे।
चंदगी राम और लीलाराम बड़े पहलवान बलकारी थे।

शिवालिक और अरावली पर्वत चोटी दिखलाती है।
ज्ञानी ,ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां ,लिखवाती है।
ढ़फ, ढ़ोल , नगाड़े बाजैं जोगी सारंगी पर गाते हैं।
वीरों का इतिहास सुना हर दिल में जोश जागते हैं।।

पावन पवित्र स्थल देखने लोग दूर से आते हैं।
पेहवा, फल्गु, कुरुक्षेत्र भक्तों के बंध रहे तांते हैं।
सतलुज, यमुना, सरस्वती धरती की प्यास बुझाती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।

सांगी,भजनी,प्रचारक तत्काल मेरे हरियाणा मैं।
कवि मोहर सिंह ,बख्तावर, नंदलाल मेरे हरियाणा मैं।
लखमी , मांगे, बाजे ,धनपत, निहाल मेरे हरियाणा मैं।
फिल्म निर्देशक प्रभाकर, यशपाल मेरे हरियाणा मैं।।

नई बुलंदी छूणे के संस्कार हमें सिखलाती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।
कहे इंद्र लाम्बा नर और नारी मिल के खेत कमाते हैं।
तारों की छाया में जाते तारों की छांव आते हैं।।

बढ़िया खेती बाड़ी सोना बालों में उपजाते हैं।
सादा रहणा सहणा और दूध, दही , घी खाते हैं।
तेरा वंदन तेरा पूजन दुनिया शीश झुकती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

रोचक **करीब 150 वर्ष के दौरान विभिन्न परिवर्तनों के दौर से गुजरा है हरियाणा**

कई विलय, विघटन के बाद बना वर्तमान हरियाणा

इतिहास **यशपाल गुलिया**

कुछ जागरूक एवं जिज्ञास पाठकों ने मेरे पिछले लेख बारे प्रश्न उठाया कि हरियाणा तो पंजाब से बना है। ऐसे पाठकों के ज्ञानवर्धन के लिए मैं 150 वर्ष के विभिन्न परिवर्तनों के बारे में अवगत करवा देता हूं। वर्ष 1802 में नवस्थापित हरियाणा राज्य का आयरिश शासक तो स्वर्ग सिधार गया, लेकिन अगले ही वर्ष 1803 में दिल्ली पर अंग्रेज सत्ता स्थापित हो गई।

उन्होंने दिल्ली के तीन तरफ स्थित क्षेत्र को विभिन्न रियासतों व नवाबियों में वितरित कर दिया। जॉर्ज थॉमस द्वारा गठित हरियाणा प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्र को झज्जर रियासत व दुजाना रियासतों को प्रदान कर दिया। जैसे झज्जर रियासत में नारनौल, महेन्द्रगढ़, कांटी तथा बावल तक का क्षेत्र दे दिया गया। वहीं, दुजाना नवाब को नाहड़, भिवानी, हांसी, हिसार तक क्षेत्र दिया गया, जिसका उसने 1809 में स्वेच्छा से परित्याग कर दिया। अंग्रेजों ने दिल्ली पर अधिकार करने के बाद अन्य नई रियासत मेवता, पटौदी व लौहारु आदि भी बना डाली। जबकि अंग्रेज शासक से पहले कायम रजवाड़े, नवाबी आदि यथावत बने रहने दिए। क्योंकि उन्होंने न केवल अंग्रेज प्रभुसत्ता को सहर्ष स्वीकार किया बल्कि अंग्रेजों की हर प्रकार से सहायता भी की, जैसे फरुखनगर, बल्लभगढ़, बहादुरगढ़, झाड़सा, कुन्जपुरा, जीन्द, कैथल, नारायणगढ़, रानियां आदि रजवाड़े पहले से स्थापित हो चुके थे। इस तरह जॉर्ज थॉमस द्वारा स्थापित हरियाणा राज्य का नाम तब लुप्त

अंग्रेजों ने 1804 में झज्जर रियासत बनाई थी। रियासत का यह महल अब गिरा दिया गया है।

प्राय हो गया। अंग्रेजों ने प्रशासनिक व्यवस्था के तहत 1810 के बाद वर्तमान हरियाणा क्षेत्र में नये जिले बनाने की प्रथा भी आरम्भ कर दी थी और तब पंजाब सतलुज नदी के पार वाले क्षेत्र को कहा जाता था जिसकी राजधानी लाहौर थी। उस समय पंजाब का शक्तिशाली शासक महाराजा रणजीत सिंह था, जिससे अंग्रेजों ने चालाकी पूर्ण सन्धि कर ली थी। अर्थात महाराजा के जीवित काल वर्ष 1839 तक तो अंग्रेज लाहौर तक नहीं गए लेकिन उसके बाद वर्ष 1849 तक सिखों से कई युद्ध करके समस्त पंजाब (वर्तमान पाकिस्तान) पर अधिकार कर बैठे। उसके कुछ वर्षों बाद स्वाभिमानी भारतीय सैनिकों ने 1857 का विद्रोह कर दिया और चार माह तक दिल्ली अंग्रेजों से मुक्त हो गई थी। परन्तु सत्तालोलूप कुछ पंजाब शासकों ने अंग्रेजों को सैन्य सहायता देकर दिल्ली पर उनका शासन फिर से कायम करवा दिया।

वर्ष 1858 से अंग्रेजों ने भी प्रशासनिक परिवर्तन करके न केवल वर्तमान हरियाणा क्षेत्र बल्कि दिल्ली को भी एक जिला बनाकर पंजाब सूबे के तहत कर दिया तब पंजाब सूबे की राजधानी लाहौर में थी तथा दिल्ली, वर्तमान हरियाणा व हिमाचल क्षेत्र सहित 32 जिलों का राज्य बना दिया था। उसके बाद वर्ष 1912 से दिल्ली को पंजाब से अलग कर दिया गया क्योंकि अंग्रेजों ने 1912 से कलकत्ता से राजधानी दिल्ली स्थानांतरित कर दी थी। लेकिन हरियाणा व हिमाचल को 1966 से ही अलग राज्यों का दर्जा प्राप्त हो सका। अर्थात नए हरियाणा का उदय वर्ष 1966 में एक नवंबर को हुआ।

विशेष : लेखक ने शोध शैली की विभिन्न पुस्तकें लिखी हैं।

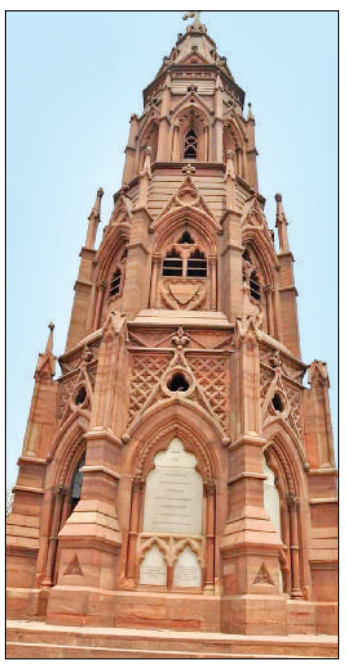

अंग्रेजों द्वारा दिल्ली में बनाया गया 1857 का स्मारक।

संस्कृति संवर्धन में कला की अहम भूमिका : प्रदीप जेलपुरिया

कलाकार **ओ.पी पाल**

हरियाणा की समृद्ध संस्कृति को संजोए रखने के लिए लोक कलाकार अलग-अलग विधाओं में अलख जगा रहे हैं। सूबे के लोक कलाकारों और गीतकारों ने देश में ही नहीं, वरन् विदेशों में भी अपनी छाप छोड़ी है। ऐसे ही विख्यात कलाकार प्रदीप जेलपुरिया ने मिमिक्री और मंच संचालन के साथ अपने गीतों की बेहतरीन प्रस्तुतियों से लोकप्रियता हासिल की है, वहीं वह जेल विभाग में सेवा देते हुए कैदियों को भी संस्कृति और संस्कारों की सीख दे रहे हैं। मिमिक्री के साथ रागनी गायन, एंकरिंग, कविता लेखन के माध्यम से सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और खेल जैसे समारोह में एंकरिंग की भूमिका में बुलंदियां छू रहे कलाकार प्रदीप जेलपुरिया ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान अपनी कला के सफर में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें अपनी संस्कृति का संवर्धन करना उनकी कला की प्राथमिकता है।

हरियाणा के विख्यात मिमिक्री कलाकार प्रदीप जेलपुरिया का जन्म जिला झज्जर के शहर बहादुरगढ़ में 29 दिसंबर 1983 को दलीप सिंह और कृष्णा देवी के घर में हुआ। उनके पिता एक सरकारी स्कूल में अध्यापक और माता गृहिणी के रूप में परिवार की जिम्मेदारी संभालते रहे हैं। परिवार में भले ही साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल न हो, लेकिन उनकी माता पड़ोसियों की जिस अंदाज में मिमिक्री करती थी, उसका प्रभाव बचपन में ही प्रदीप पर पड़ने लगा। इसी कारण उन्हें

बचपन में ही अभिनय जैसी कला में अभिरुचि हो गई थी और वह एक्टरों की मिमिक्री करने लगे। प्रदीप की प्राथमिक शिक्षा सरकारी स्कूल एवं माध्यमिक शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय रेवाडी से हुई। जबकि बीए दिल्ली विश्वविद्यालय के अंबेडकर कालेज और एमए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से उत्तीर्ण की। बकौल प्रदीप जेलपुरिया, वह स्कूली शिक्षा के दौरान नाटकों में मंचन और मिमिक्री करने लगे। जब वह सातवीं कक्षा में थे तो उन्होंने पहली बार अपने प्रिंसिपल की मिमिक्री की, इस पर प्रिंसिपल ने उसे डांटने या पीटने के बजाय इस कला के लिए प्रोत्साहित किया। वह स्कूल के कार्यक्रमों में नाटकों में अभिनय मंचन और मिमिक्री करने लगे। उन्होंने बताया कि एमडीयू में एमए के दौरान पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित आल इंडिया पुलिस गेम (घुड़सवारी) में उन्होंने बतौर एंकर की भूमिका निभाई। उनकी उपलब्धियों को देखकर ग्रैपलिंग गेम में कल्चरल अफेयर्स का निदेशक बनाया गया, जिसके तहत उन्होंने ग्रैपलिंग गेमों में कई वर्ष एंकरिंग की। इसके अलावा झज्जर बहादुरगढ़, रोहतक, रेवाडी, फरीदाबाद एवं नूहं के गीता महोत्सव में भी एंकरिंग की। एंकरिंग के साथ हरियाणवी संस्कृति को संजोए रखने के लिए मुहिम छेड़ी और हरियाणा रागनी का मंचन भी किया और हरियाणवी गाने '70 का हरियाणा' में भी भूमिका निभाई। गत वर्ष 2024 में विशाखापटनम, राजीव गांधी स्टेडियम दिल्ली, छत्रसाल स्टेडियम दिल्ली एवं तालकटोरा स्टेडियम दिल्ली में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एंकरिंग एवं हरियाणवी गानों से सबका मन मोहा है। इनका कहना है कि हरियाणवी बोली और संस्कृति का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करना उनकी प्राथमिकता है। जीवन में उतार चढ़ाव आते हैं, लेकिन उन्होंने उस हालातों में भी हौसला नहीं खोया, जब कुछ साल पहले पैरालिसिस के कारण उनका चेहरा खराब होने लगा था। उनकी विभिन्न कलाओं का फोकस हरियाणवी संस्कृति और संस्कारों पर रहता है।

पुरस्कार और सम्मान

अभिनय, गीतों और लेखन के साथ मिमिक्री की कला में विख्यात होते कलाकार प्रदीप जेलपुरिया को कालेज शिक्षा के दौरान दिल्ली यूनिवर्सिटी आंबेडकर कॉलेज से सर्वश्रेष्ठ मिमिक्री अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें हरियाणा गौरव पुरस्कार, झज्जर गौरव पुरस्कार के अलावा गृह विभाग के एसीएस विजय वर्धन और जेल महानिदेशक भी पुरस्कार से नवाज चुके हैं। इसके अलावा उन्हें विभिन्न मंचों से अनेक पुरस्कार व सम्मान मिले हैं।

कैदियों को दे रहे हैं संस्कृति की सीख

कलाकार प्रदीप जेलपुरिया का साल 2003 में जेल विभाग में सिपाही के पद पर चयन हुआ। नौकरी के बावजूद उनकी कलाकारी का जज्बा जीवित रहा। जेल के माहौल में रहकर उन्होंने कविता लिखना शुरू किया और जेल में कैदियों को संस्कृति और संस्कार देने का काम शुरू कर दिया। विभाग ने भी उनकी कला को देखते हुए उनकी ड्यूटी बतौर म्यूजिक इंचार्ज जेल रोहतक में कर दी। फिलहाल उनकी ड्यूटी मेवात जेल में हैं। वह समाज को नई दिशा देने के मकसद से संस्कृति के लिए हरियाणवी में कार्यक्रम भी करते आ रहे हैं।

खबर संक्षेप

एमएससी ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

रोहतक। एमएससी रोहतक यूनिट द्वारा रविवार को बालियाना गांव में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 200 लोगों की स्क्रीनिंग और उपचार किया गया। शिविर डॉ. भवानी दास, डॉ विनोद चायल, डॉ स्वाति, डॉ सचिन, पूनम, डेंटल टीम डॉ. सुभि, डॉ. करन मौजूद रहे। स्वास्थ्यकर्मियों ने लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की और उनकी स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान किया। शिविर में निःशुल्क दवाएं और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं।

शिक्षकों की गृह जिलों में मार्किंग ड्यूटी लगाई जाए

रोहतक। स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन हरियाणा (सलाह) संगठन ने पूर्व की भांति शिक्षकों को अपने गृह जिले में मार्किंग कार्य करने की अनुमति देने की मांग की है। सलाह के राज्य प्रधान अशोक शर्मा ने बताया कि इसके लिए संगठन द्वारा हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी के चेयरमैन प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार शर्मा को पत्र भेजा है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि बोर्ड प्रबंधन अन्य जिलों में नियुक्त शिक्षकों को अपने गृह जिले में मार्किंग कार्य में नियुक्ति प्रदान करेगा।

ध्यान का अभ्यास करवाया

रोहतक। पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय में चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में रविवार को सुबह के सत्र में सतीश और चंद्र प्रकाश सांगवान ने सभी को ध्यान का अभ्यास करवाया। मनोवैज्ञानिक डॉ पूनम शर्मा व डॉ. दिनेश सिंह ने सभी स्वयंसेवकों को माइंडफुलनेस से संबंधित विभिन्न क्रियाएं करवाई। सांयकालीन सत्र में कैप्टन जगबीर मलिक ने बच्चों को पर्सनेलिटी डेवलपमेंट व नशा मुक्ति संबंधी जानकारी प्रदान की। प्रोग्राम अधिकारी डॉ. अनीता सिंह, डॉ सुचेता यादव, डॉ. नवीन कुमार, सुमित कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को चरित्र निर्माण और ध्यान को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

चोरी के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सीआईए वन बहादुरगढ़ की पुलिस टीम ने मकान से चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। सन्नी निवासी लाइनपार के मकान में 26 दिसंबर 2021 को चोरी हुई थी। इसमें आरोपी मोबाइल फोन, नगदी और सोने की चेन चुरा ले गए थे। सीआईए प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि इस मामले में फरार चल रहे आरोपी जोनी निवासी लाइनपार को गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया गया।

लक्ष्मी नारायण मंदिर में मनाई होली

बहादुरगढ़। बादली रोड स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया। रविवार को मंदिर में आयोजित होली मिलन समारोह में हरीश घुलयानी, नरेश सागर प्रजापति, ममता सांवरिया व राजू मिलन ने मधुर भजनों के माध्यम से होली की महिमा का गुणगान किया। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को तिलक लगाकर पावन पर्व की बधाई दी।

मातृशक्ति को शत-शत नमन : निदेशक डॉ. एसके सिंघल

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पीजीआईएमएस में हुई मैराथन

मैराथन का शुभारंभ निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने हरी झंडी दिखाकर किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। पीजीआईएमएस में आयोजित मैराथन का शुभारंभ करवाते निदेशक डॉ. एसके सिंघल।

पीजीआईएमएस में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। जहां गत दिवस शाम को महिलाओं के लिए खेल आयोजित किए गए थे, वहीं रविवार सुबह महिलाओं के लिए दो किलोमीटर की मैराथन का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर पीजीआईएमएस में आयोजित मैराथन का शुभारंभ निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने हरी झंडी दिखाकर किया।

डॉ. एसके सिंघल ने कहा कि यह मैराथन महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई थी। डॉ. सिंघल ने महिलाओं के योगदान और उनके अधिकारों के बारे में बात की। उन्होंने महिलाओं को उनके सपनों को पूरा करने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया।

मैराथन में पीजीआइएमएस की छात्राएं और शिक्षक शामिल हुईं। डॉक्टर सिंघल ने कहा कि यह एक उत्साही और प्रेरक कार्यक्रम था जिसने महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. विपिन घरसा ने बताया कि हमारे संस्थान ने महिला सशक्तिकरण दिवस का जश्न मनाया, जिसमें लड़कियों के लिए एक बास्केटबॉल टूर्नामेंट और मैराथन शामिल था। बास्केटबॉल टूर्नामेंट में 2 टीमें, टीम ए और टीम बी ने टूर्नामेंट में भाग लिया। दोनों टीमों ने बहुत अच्छा खेल दिखाया, लेकिन टीम ए ने टीम बी को 18/15 के स्कोर से चैंपियनशिप जीती।

विजेता टीम की लड़कियों को निदेशक डॉ. एसके सिंघल द्वारा एक ट्रॉफी दी गई। डॉ. विपिन ने बताया कि एमबीबीएस, बीडीएस, नर्सिंग और फिजियोथेरेपी जैसे विभिन्न पाठ्यक्रमों से लगभग 25 लड़कियों ने सुबह मैराथन में भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. सुनीता, डॉ. विपिन गरसा, डॉ. मंजुलता, डॉ. वसुधा भी उपस्थित रहे।

महिलाएं भर रहीं हर क्षेत्र में ऊंची उड़ान

डॉ. एसके सिंघल ने कहा कि हमारी मातृशक्ति बहुत ही महान है क्योंकि वह हर क्षेत्र में अग्रणीय भूमिका निभाती हैं और हमारे देश का उज्जवल भविष्य भी उनके ऊपर निर्भर होता है, क्योंकि वे ही बच्चों को उज्जवल भविष्य का रास्ता दिखाती हैं। उन्हें खुशी है कि आज यहां कुछ मातृशक्ति अपनी बेटियों के साथ इस मैराथन में हिस्सा लेने पहुंची है, ऐसी मातृशक्ति को शत-शत नमन है। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना था, साथ ही प्रतिभागियों के बीच टीम वर्क, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देना था।

विजेता टीम के सदस्य

मोनिका गोयत (एमबीबीएस-22)
प्रीति (एमबीबीएस-22)
सुदेशना (एमबीबीएस-24)
उमिका (एमबीबीएस-24)
अनन्या (एमबीबीएस-24)
खुशबू (एमबीबीएस-24)

मैराथन के विजेता

पहला स्थानः कुशा (एमबीबीएस-24)
दूसरा स्थानः किरण (एमबीबीएस-24)
तीसरा स्थानः महक (एमबीबीएस-24)

हरियाणा दलित एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एसोसिएशन की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा दलित एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन, नेहरू कॉलोनी में हुई। इसकी अध्यक्षता अध्यक्ष डॉ. अनिल मेहरा ने की, जिसमें हरियाणा के विभिन्न गांवों और शहरों से समाज के प्रतिष्ठित बुद्धिजीवी, पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में भारत रत्न, संविधान निर्माता, गरीबों के मसीहा, नारी मुक्ति के प्रेरणास्रोत, और समानता के प्रबल समर्थक डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 134वीं जयंती समारोह को भव्य रूप से मनाने पर विचार-विमर्श किया गया। सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि इस ऐतिहासिक अवसर पर 14अप्रैल 2025 को एक भव्य आयोजन किया जाएगा। प्रदेश महासचिव कुलदीप राठी ने बाबा साहेब के विचारों और उनके योगदान को याद किया। उन्होंने बताया कि इस समारोह के दौरान उनके जीवन पर एक प्रमुख व्याख्यान रखा जाएगा, साथ ही प्रसिद्ध गायकों द्वारा भजन संध्या और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि अंबेडकर भवन के उत्थान के लिए सौर ऊर्जा पैनल और पेंटिंग कार्य करवाया गया है, लेकिन भवन के खातों में पर्याप्त धनराशि न होने के कारण इस कार्य को पूरा करने के लिए संस्था से ऋण लेने का निर्णय लिया गया। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया कि भवन की आय होते ही संस्था को राशि लौटा दी जाएगी। इस अवसर पर प्रधान डॉ. अनिल मेहरा, उपप्रधान कृष्ण मुंडे, महासचिव कुलदीप राठी, कोषाध्यक्ष अनिल मेहरा, पवन कुमार सुतवाल, शकुंतला सम्भरवाल, वजीर सिंह, भोला, ऋषि राज निनानिया, अशोक कुमार, सुशील सुतवाल आदि रहे।

सातवें दिन के शिविर की शुरुआत हवन से हुई

एमडीयू के एनएसएस शिविर में हुई प्रतियोगिताओं छाए विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की चारों एनएसएस इकाइयों द्वारा /"डिजिटल इंडिया मिशन के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना थीम पर आयोजित किए गए सात दिवसीय विशेष शिविर के सातवें दिन की शुरुआत मातूराम यज्ञशाला में हवन से की गई। इसके पश्चात स्वयंसेवकों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना से संबंधित प्रश्न पूछे गए और लड़कों की टीम विजेता रही। तत्पश्चात समापन समारोह की शुरुआत के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय कुलगीत और राष्ट्रीय सेवा योजना लक्ष्य गीत से की गई। डॉ. अंजू पंवार ने सभी कार्यक्रम अधिकारियों और स्वयंसेवकों के लिए स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। स्वयंसेविका कोमल और पल्लवी द्वारा सात दिवसीय विशेष एनएसएस कैंप की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। सभी कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. अंजू पंवार, डॉ. एकता रानी, डॉ. जितेंद्र राठी और डॉ. गुरु दयाल सिंह ने शिविर के दौरान आयोजित गतिविधियों जैसे पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन प्रतियोगिताओ के विजेताओं को बधाई दी। पोस्टर मेकिंग में प्रथम स्थान पर प्रीति, द्वितीय स्थान पर मोहित चंद्रा और तृतीय स्थान पर करन सिंह रहे। इसके अतिरिक्त स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में विनीता प्रथम , रवीना द्वितीय और मीनाक्षी एवम् इशिका तृतीय स्थान पर रहे। डॉ एकता ने सभी का धन्यवाद किया।

सेठ विमल प्रसाद जैन की पुण्य स्मृति में होम्योपैथिक दिव्यांग चिकित्सा एवं मैमोग्राफी कैंसर जांच शिविर का आयोजन

- 92 दिव्यांग बच्चे कैंप में आए जिनकी केस हिस्ट्री लेकर निशुल्क दवाइयां दी गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरिओम सेवा दल द्वारा स्वर्गीय सेठ विमल प्रसाद जैन की पुण्य स्मृति में निशुल्क होम्योपैथिक दिव्यांग चिकित्सा शिविर एवं मैमोग्राफी कैंसर जांच शिविर का आयोजन इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ होम्योपैथिक फिजिशियन के सहयोग से किया गया।

एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन एवं ओम प्रकाश जोशी ने स्वर्गीय सेठ विमल प्रसाद जैन को पुष्पांजलि अर्पित की। राजेश जैन ने अपने पिता को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि हर वर्ष माता-पिता की पुण्य स्मृति में इस तरह के सेवा कार्य किए जाते हैं। आज उनकी तरफ से अपना रोजगार बनाने के लिए एक व्यक्ति को हाथ रेड़ी, लोडिंग रिक्शा, साइकिल, तीन दिव्यांग को व्हीलचेयर, सिलाई मशीन और इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल भेंट की गई। हरि ओम सेवा दल के प्रधान डॉक्टर अनिल शर्मा ने बताया कि हर वर्ष हरिओम सेवा दल यह शिविर लगाता है। शिविर में सीरिभ्रम पाल्सी, डाउन सिंड्रोम, ऑटिज्म, बोलने सुनने और मंदबुद्धि जैसे रोगों से ग्रस्त बच्चों का इलाज किया गया। 92 दिव्यांग बच्चे कैंप में आए जिनकी केस हिस्ट्री लेकर निशुल्क दवाइयां दी गई एवं भविष्य में भी सेवादल द्वारा निशुल्क दवाई दी जाएगी। महिलाओं के कैंसर स्क्रीनिंग के लिए मैमोग्राफी टेस्ट का किया गया। इस शिविर में होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉक्टर मुक्तिविंदर सिंह लुधियाना, डॉक्टर जयदेव शर्मा दिल्ली, डॉक्टर हर्षित जुनेजा फिरोजपुर, डॉ नवनीत बिदानी हिसार, डॉक्टर एसएस भारद्वाज रोहतक एवं उनके सहयोगी टीम ने जांच की। स्वर्गीय सेठ विमल प्रसाद जैन की स्मृति में 10 मार्च को रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर भगवान महावीर लाइब्रेरी में लगाया जाएगा।

रोहतक। स्वर्गीय सेठ विमल प्रसाद जैन को पुष्पांजलि अर्पित करते एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ,ओम प्रकाश जोशी व हरि ओम सेवा दल के प्रधान डॉक्टर अनिल शर्मा। *फोटो : हरिभूमि*

वेद मॉडल स्कूल कलानौर में हेल्दी बेबी शो आयोजित

रोहतक। कलानौर स्थित वेद मॉडल इंटरनेशनल सीनीयिर सेकेंडरी स्कूल में हेल्दी बेबी शो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में चार कैटोगरी में लगभग 100 बच्चों ने भाग लिया। जिनकी उम्र 2 से 6 साल तक थी। इस दौरान सभी के वजन, ऊंचाई व टीकाकरण की जांच की गई। पोषण को लेकर उचित सलाह भी दी गई। साथ-साथ बच्चों के मनोरंजन व प्रतिभा को जानने के लिए गेम्स, डांस व सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। स्कूल डायरेक्टर वेद प्रकाश जांगड़ा ने बताया कि प्रतियोगिता में पहले ग्रुप में जिसमें 2 से 3 साल तक के बच्चों में प्रथम 10 स्थान पाने वालों के लिए दाखिला फीस मुफ्त की गई है, इसी प्रकार दूसरे ग्रुप में प्रथम 5, तीसरे ग्रुप में प्रथम 5, चौथे में जिसमें 5 से 6 साल तक के बच्चें शामिल हैं में पहले 5 स्थान पाने वालों के लिए भी दाखिला फीस फ्री की गई है। हर वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वालों के लिए क्रमशः 2100, 1100 व 500 रु के नकद पुरस्कार भी रखे गए। उन्होंने बताया कि होनहार बच्चों के लिए स्कूल मुफ्त शिक्षा देने के लिए हमेशा तत्पर रहा है। साथ ही इस साल से स्कूल में कक्षा 3 से 12 तक के लिए प्रतिस्पर्धात्मक कक्षाओं का प्रबंध किया गया है।

एनएसएस स्वयंसेवकों को डॉक्टर कृष्ण कुमार लांबा ने मेडल पहनाकर किया सम्मानित

- शिवानंद धर्मार्थ औषधालय में लगाया गया कॉलेज का एनएसएस कैंप सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

राजकीय महाविद्यालय महम की एनएसएस की लड़के और लड़कियों की दोनों यूनिट द्वारा शिवानंद चेरिटेबल अस्पताल में सात दिवसीय एनएसएस कैंप लगाया गया। रविवार को कैंप का अंतिम दिन था। एमडीयू से एनएसएस कॉ ऑर्डिनेटर डॉ. सविता राठी समापन समारोह में पहुंची। इस दौरान उन्होंने स्वयंसेवकों को एनएसएस के स्कोप बताए। साथ ही बताया कि किस प्रकार एनएसएस से जुड़कर विद्यार्थी लाभ उठा सकते हैं। अंतिम दिन सुबह की शुरुआत वॉलंटियर्स ने योगा व ध्यान करके की। इसके पश्चात विभिन्न टीमों में बंटे सभी वॉलंटियर्स ने आश्रम की सफाई की और भोजन तैयार किया। लड़कियों की एक टीम ने मुख्य अतिथि डॉ. सविता राठी के स्वागत में आश्रम के मेन गेट पर आकर्षक रंगोली बनाई। एनएसएस कॉर्डिनेटर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक डॉ. सविता ने शिवानंद धर्मार्थ औषधालय के डॉक्टर कृष्ण कुमार लांबा से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अस्पताल व आश्रम की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी हासिल की। डॉ लाम्बा ने भी सभी वॉलंटियर्स को समाजसेवा के लिए प्रेरित किया। सराहनीय प्रदर्शन करने वाले एनएसएस स्वयंसेवकों को डॉक्टर के के लांबा ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

महम। एनएसएस कैंप में सराहनीय कार्य करने वाले एनएसएस स्वयंसेवक को मेडल पहनाकर सम्मानित करते डॉक्टर कृष्ण कुमार लांबा।

रोहतक। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर क्रेविंग फिटनेस हेन्य कल्ब की संचालक ममता दहिया ने सुमन, रीतू, डॉ. शैफाली, प्रीती, अन्नू, अंजू, डॉ. पूनम, एकता, राजबंती, रशमी, इंदू, दीपिका आदि के साथ मिलकर समाज में एकता का उदाहरण पेश करते हुए महिलाओं व उनके बच्चों के साथ मिलकर महिला दिवस मनाया।

अतिक्रमण से संकरे हुए रास्ते पुलिस की सख्ती के बाद खुले

हबहादुरगढ़। सड़कों पर बढ़ती अव्यवस्था और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात पुलिस ने बहादुरगढ़ में विशेष अभियान शुरू किया है। पुलिस और प्रशासन द्वारा के सहयोग से एक तरफ जहां अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। वहीं दूसरी तरफ वाहन चालकों द्वारा नियम की पालना न करने पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। शहर के बाजार अब खुले नजर आ रहे हैं, जिसका नागरिक खुले दिल से स्वागत कर रहे हैं। बॉक्सर के नाम से विख्यात दिनेश कुमार के बतौर ट्रेफिक एसीपी कमान संभालने के बाद बहादुरगढ़ में यातायात व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है। शहर के रेलवे रोड, मेन बाजार, रोहतक-दिल्ली रोड, झज्जर रोड समेत मुख्य मार्गों पर उन्होंने नगर परिषद की टीम को साथ लेकर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया।

हरकिशन मेमोरियल पब्लिक स्कूल व सहजीवन फाउंडेशन ने महिलाएं की सम्मानित

राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका और योगदान को बताया सराहनीय

हरिभूमि न्यूज. रोहतक

हरकिशन मेमोरियल पब्लिक स्कूल, रोहतक एवं सहजीवन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य और प्रेरणादायक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य उन महिलाओं को सम्मानित करना था। जिन्होंने अपनी बेटियों को शिक्षित और सशक्त बनाकर समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय टीम द्वारा सभी के स्वागत से हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों ने अपने विचार रखते हुए महिलाओं की भूमिका, उनके संघर्ष और समाज में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में करमिंदर, मधु, नेहा, ऋतु पाल सिंह,संतोष गुप्ता ,गीता ,रेनू अर्चना, हरिओम वशिष्ठ ,नरेश एवं धर्म सिंह जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। करविंदर ने महिलाओं से संबंधित समस्याओं के बारे में चर्चा की। उन्होंने महिलाओं की उपलब्धियों की सराहना की और इस सम्मान समारोह को समाज में एक सकारात्मक संदेश देने वाला कदम बताया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि बेटियां न केवल परिवार बल्कि पूरे समाज की शक्ति हैं। यदि हम अपनी बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाएंगे, तो हमारा समाज भी सशक्त बनेगा।/" उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के बिना किसी भी देश की उन्नति संभव नहीं है। इस अवसर पर उन महिलाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपनी बेटियों को शिक्षित करने और उनके सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ये महिलाएं समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और इनके योगदान को मान्यता देने के लिए इस समारोह का आयोजन किया गया था। सम्मान प्राप्त करने वाली कुछ महिलाओं ने अपने संघर्ष और उपलब्धियों की कहानियां साझा कीं, जिनमें से कुछ की बेटियां डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक और प्रशासनिक अधिकारी बनकर समाज में अपना योगदान दे रही हैं। इन कहानियों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया और महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। जिसमें स्कूल कार्यकारिणी समिति के वरिष्ठ सदस्य धर्म सिंह अहलावत ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सभी को यह संदेश दिया गया कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए गए छोटे-छोटे प्रयास भी समाज में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। यह समारोह न केवल महिलाओं के सम्मान का प्रतीक बना, बल्कि इसने समाज में बेटियों के महत्व और उनके भविष्य को संवारने की दिशा में एक नई चेतना भी जागृत की।

सशक्तिकरण की दिशा में एक नया कदम

कार्यक्रम के दौरान सहजीवन फाउंडेशन ने घोषणा की कि वे आगे भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे और महिलाओं के उत्थान के लिए विभिन्न सामाजिक पहल शुरू करेंगे। इस अवसर पर हरकिशन मेमोरियल पब्लिक स्कूल की ओर से भी यह घोषणा की गई कि वे जरूरतमंद छात्राओं को शिक्षा में सहायता प्रदान करने के लिए एक विशेष छात्रवृत्ति योजना शुरू करेंगे। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने इस आयोजन की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल महिलाओं का सम्मान बढ़ाते हैं, बल्कि समाज को भी एक नई दिशा देने का कार्य करते हैं।

खबर संक्षेप

भक्तों ने निकाली पद यात्रा नाचते पहुंचे श्याम मंदिर

महम। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा छठी विशाल पद यात्रा निकाली गई। यह पद यात्रा महम के पंचायती रामलीला ग्राउंड से शुरू होकर बहुअकबर श्याम मंदिर पर सम्पन्न हुई। यात्रा का शुभारंभ सतगुरु मंदिर सैमाण के महंत सतीश दास ने ज्योत प्रज्ज्वलित करके किया। श्री श्याम मित्र मंडल के प्रधान सचिन गोयल ने बताया तीन हजार से अधिक भक्तों ने इस पद यात्रा में भाग लिया। 801 श्याम भक्तों ने श्री श्याम के निशान उठाए। रास्ते में जगह जगह ग्रामीणों द्वारा भंडारे लगाए गए। पदयात्रा में भक्तों ने फूलों की होली खेली।

एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्र सेवा के लिए किया प्रेरित

महम। राजकीय महाविद्यालय महम की एनसीसी इकाई द्वारा एक दिवसीय कैंप लगाया गया। कैंप का शुभारंभ प्रिंसिपल रोहित कुमार ने किया। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स को रांष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कॉलेज में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता व व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रिंसिपल ने कैडेट्स को बताया कि भारत के अस्तित्व का आधार भारत की परिवार व्यवस्था है व परिवार व्यवस्था की धुरी मातृशक्ति है। कार्यक्रम में ग्रंथी जसपिंदर सिंह ने कैडेट्स से कहा कि वे महिलाओं का सम्मान करें।

अंतरराष्ट्रीय आर्य विद्वत महासम्मेलन का समापन

आर्य समाज का मंच मेरे लिए मां की गोद जैसा : सत्यार्थी

आर्य समाज को मिले चार नए संन्यासी, 9 देशों व 15 राज्यों से आए आर्य समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया

- आर्य समाज वसुधैव कुटुंबकम की भावना को प्रबल करेगा : स्वामी आर्यवेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। महासम्मेलन के दौरान नवदीक्षित चार संन्यासी के साथ स्वामी आर्यवेश व सम्बोधित करते नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी।

महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200वीं जन्म जयंती एवं आर्य समाज की स्थापना के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय आर्य विद्वत महासम्मेलन का समापन हो गया। इस महासम्मेलन में भारत सहित 9 देशों और 15 राज्यों से आए विद्वानों, संतों, आर्य समाज के प्रतिनिधियों एवं अनुयायियों ने भाग लिया। भारत के अतिरिक्त अमेरिका, जर्मनी, हॉलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मोरिसस, न्यूजीलैंड, केन्या, युगांडा, ओस्ट्रेलिया, कनेडा से प्रतिनिधि शामिल हुए। महासम्मेलन के अंतिम दिन नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि जब भी मैं आर्य समाज के मंच पर आता हूं तो मुझे लगता है मैं अपनी मां की गोद मे आ गया हूं। उन्होंने कहा कि मैंने जब अपना नोबल शांति पुरुष्कार राष्ट्र को समर्पित किया तो उसकी प्रेरणा मुझे ऋषि दयानन्द से मिली। ऋषि दयानन्द वो आग थे जिसने समाज से अज्ञान, अंधकार और अन्याय को जलाकर राख़ कर दिया। इस महासम्मेलन में विभिन्न देशों से आए विद्वानों ने महर्षि दयानन्द सरस्वती के विचारों पर प्रकाश डाला। पूर्व आईपीएस डॉ. आनंद कुमार ने कहा कि इस महासम्मेलन ने यह संदेश दिया कि महर्षि दयानन्द सरस्वती के विचार केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए प्रासंगिक हैं।

अपना पूरा जीवन समर्पित करने का लिया निर्णय

इस महासम्मेलन की एक विशेष उपलब्धि रही कि चार सन्यास दीक्षाएं, जो कि आर्य सन्यासी स्वामी आर्यवेश द्वारा संपन्न कराई गईं। उन्होंने दीक्षित सन्यासियों को वैदिक सिद्धांतों के अनुसार जीवन जीने की प्रेरणा दी और उन्हें आर्य समाज की सेवा में अपना जीवन समर्पित करने का संकल्प दिलाया। महाराष्ट्र के शिवाजी राव शिंदे एडवोकेट सन्यास के बाद स्वामी शिवारूढ़वेश बने जबकि मध्यप्रदेश के महेंद्र सिंह स्वामी महेद्रानंद, आगरा के दिव्यमुनी स्वामी दिव्यानंद तथा सत्यमुनी अब स्वामी सत्यानंद बने। उन्होंने कहा कि आगामी शताब्दी ऋषि दयानन्द के विचारों को और ज्यादा मजबूती से लागू करने की है। समाज में व्याप्त अंधविश्वास, जातिवाद और धार्मिक कट्टरता को समाप्त करके वसुधैव कुटुंबकम की भावना को प्रबल करना है।

आगामी युग आयुर्वेद का

आर्य समाज के सर्वोच्च संगठन सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के महासचिव प्रो. विट्ठल राव आर्य ने बताया कि कैसे दयानन्द सरस्वती ने समाज को रूढ़ियों से मुक्त कर एक वैज्ञानिक और तार्किक दृष्टिकोण प्रदान किया। उनके सत्यार्थ प्रकाश जैसे ग्रंथ आज भी सामाजिक सुधार और भारतीय संस्कृति के पुनरुद्धार के लिए मार्गदर्शक हैं। नाड़ी वैद्य कायाकल्प के संस्थापक सत्यप्रकाश आर्य ने कहा कि आगामी युग आयुर्वेद का है।

रोहतक। कैलाश सत्यर्थी को सम्मानित करते हुए स्वामी आर्यवेश, स्वामी विदेह योगी , प्रो. विट्ठल राव आर्य व सुनील देशवाल।

अंतरराष्ट्रीय वैदिक परिषद की स्थापना

महासम्मेलन के दौरान अंतरराष्ट्रीय वैदिक परिषद के गठन की घोषणा की गई। इस परिषद का उद्देश्य संपूर्ण विश्व में वेदों के ज्ञान का प्रसार करना और वैदिक परंपराओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से स्थापित करना होगा। वैदिक विचारों और शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से डॉ. जवलन्त कुमार ने शास्त्रार्थ महारथी महाविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव रखा और सभी विद्वानों ने इसको स्वीकार किया। यह महाविद्यालय वैदिक ज्ञान, दर्शन, संस्कृत और योग के अध्ययन के लिए समर्पित होगा।

कार्यक्रम में इन्होने किया संबोधित

स्वामी विदेह योगी कुरुक्षेत्र, स्वामी ऋतस्पति होशंगाबाद, स्वामी व्रतानन्द उड़ीसा, डॉक्टर अनिल आर्य दिल्ली, साध्वी उत्मा यति, राजेश राजस्थान, बिरजानंद एडवोकेट, सीमा दहिया, प्रो. सूखदा देहरादून, डॉक्टर नरेश धीमान अजमेर, हरहर आर्य झारखण्ड, डॉक्टर नवीन आर्य आदि प्रतिनिधियों ने संबोधित किया।

सच्ची भक्ति तभी संभव है, जब हृदय में पूर्ण समर्पण और निस्वार्थ प्रेम हो

- महंत अशोक दास महाराज के जन्म दिवस के अवसर पर 15वां विशाल महायज्ञ का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव बैंसी में महंत अशोक दास महाराज के जन्म दिवस के अवसर पर 15वां विशाल महायज्ञ श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। महंत अशोक दास महाराज ने अपने प्रवचनों में प्रभु महिमा, भक्ति और आत्मसाक्षात्कार के गूढ़ रहस्यों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि सच्ची भक्ति तभी संभव है, जब हृदय में पूर्ण समर्पण और निःस्वार्थ प्रेम हो। सत्संग के माध्यम से उन्होंने भक्तों को सदाचार, धर्म के मार्ग और प्रभु कृपा की महत्ता को समझाया। महायज्ञ के दौरान रामानुज दास महाराज ने कहा कि भगवान को पाने के लिए हृदय में शुद्ध भाव जागृत करना आवश्यक है। बिन भाव रिझे नहीं मेरे मदन गोपाल, उन्होंने कहा कि बाहरी आडंबर से प्रभु प्रसन्न नहीं होते, बल्कि सच्चे और सहज प्रेम से ही उनका सान्निध्य प्राप्त किया जा सकता है। जब मनुष्य निर्मल मन और निष्कपट भावना से प्रभु का स्मरण करता है, तभी उसे ईश्वर की वास्तविक अनुभूति प्राप्त होती है। महायज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने फूलों की होली खेलकर प्रेम, सौहार्द और भक्ति का अद्भुत संदेश दिया। श्रद्धालुओं ने महंत अशोक दास महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। महायज्ञ के बाद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

फाल्गुन निशान यात्रा का आयोजन कल

रोहतक। श्री खाटू श्याम मंदिर द्वारा दसवीं फाल्गुन निशान यात्रा 11 मार्च को सुबह 8:30 बजे 1100 रंग-बिरंगी श्री श्याम ध्वजाओं के साथ निकाली जायेगी। शोभा यात्रा सोहम मंदिर से चलकर छोटू राम चौक, सिविल रोड़, भिवानी स्टैंड, दुर्गा भवन मंदिर, माल गोदाम रोड़, पुरानी अनाज मंडी, रेलवे रोड़, झज्जर रोड़, गोयल मार्बल हाऊस वाली गली से होते हुए श्री खाटू श्याम मंदिर में पहुंचेगी। बाबा को निशान अर्पित करने के बाद श्याम मंदिर के साथ वाली गली में भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

फाल्गुन उत्सव में छाएगी भक्तों की मस्ती, निशान यात्रा का जमेगा रंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- 11 मार्च को धूमधाम से निकलेगी भव्य खाटू श्याम निशान यात्रा

फाल्गुन माह के शुक्लपक्ष की द्वादशी को खाटू श्याम मंदिर की तरफ से 10वीं विशाल निशान यात्रा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 1100 निशान उठाते हुए श्याम भक्तों की मस्ती का रंग देखने को मिलेगा। 11 मार्च को सोहम मंदिर से चलने वाली निशाल यात्रा से पूरा शहर बाबा श्याम के जयघोष से श्याम मय नजर आएगा। बाबा श्याम की भक्ति व फाल्गुन का रंग श्रद्धालुओं के सिर चढ़कर बोलेगा। निशान यात्रा के आयोजक सुरेश गर्ग ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा श्याम की निशान यात्रा का आयोजन 11 मार्च को किया जा रहा है। खाटू श्याम मंदिर की तरफ से यह 10वीं निशान यात्रा है, जिसमें भाग लेने के लिए श्रद्धालुओं का हुजुम उमड़ रहा है। 1100 निशान उठाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए संख्या कहीं अधिक होने का अनुमान है।

विभिन्न स्थानों पर लगेगा भंडारा

खाटू श्याम मंदिर सदस्यों ने बताया कि निशान यात्रा के दौरान शहर के अलग-अलग स्थानों पर भंडारे व प्रसाद वितरण का कार्य किया जाएगा। निशानयात्रा सोहम मंदिर से शुरू होकर छोटूराम चौक, सिविल रोड, भिवानी स्टैंड, दुर्गा भवन मंदिर, माल गोदाम रोड़, अनाजमंडी, रेलवे रोड़, झज्जर रोड़, गोयल मार्बल वाली गली से होते हुए खाटू श्याम मंदिर पीपल वाली गली स्थित श्याम मंदिर में संपन्न होगी। पूरे रास्ते पर श्याम भजनों की गूंज सुनाई देगी।

पंजाबी विकास सभा ने मनाया होली मिलन समारोह

रोहतक। पंजाबी विकास सभा द्वारा होली मिलन समारोह देव भूमि मंदिर में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। विशिष्ट अतिथि विधायक भारत भूषण बत्रा, मुनीष ग्रोवर पूर्व मंत्री हरियाणा सरकार, डॉ. आदित्य बत्रा निदेशक होली हार्ट अस्पताल रहे। सभा के प्रधान अनिल भाटिया ने कहा होली भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने सभी का धन्यवाद किया। महासचिव गुलशन उप्पल ने सभा के उद्देश्यों के बारे में अवगत कराया। कवि वीरेंद्र मधुर, महेंद्र अजनबी, कर्मजीत नूर व अशोक बड़ोदा ने अपने हास्य व्यंग से श्रोताओं को गुदगुदाया व सभी का दिल जीत लिया। मंच संचालन सभा की सदस्य डॉ. सीमा शर्मा प्रवक्ता वैश्य ला कालेज ने किया। इस अवसर पर उप प्रधान नंदकिशोर कपूर, अश्वनी खुराना, अनिल बजाज, संयुक्त सचिव कृष्ण लाल गिरधर, अशोक चौधरी, डॉ. गुलशन तनेजा, सुनील चानना, सुशील नांदल, राधेश्याम, गुलशन ईशपूनीयानी, मदन मुखिजा, गौरव मनचंदा, विजय गुगनानी, सतीश कत्याल, डॉ. विजय कपूर, हरीश दुग्गल, रमेश मक्कड़ आदि मौजूद रहे।

108 कलशों से किया श्रीजी का जलाभिषेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- 32 श्लोकों के साथ अष्टद्रव से बना महाअध्य भगवान के चरणों में समर्पित किया

श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं शांति महायज्ञ माडल टाउन स्थित श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आर्यिका रत्न श्री 105 सरस्वती भूषण माता के मंगल सानिध्य में श्रद्धालुओं ने गाजे बाजे के साथ बड़े हर्ष व उल्लास के साथ पूजा अर्चना की। साथ ही श्री जिनेन्द्र भव्य रथ यात्रा गाजे बाजे के साथ निकाली। सुबह 6 बजे सिद्धार्थ जैन, अतुल जैन, नीतिश जैन, अंकुर जैन ने श्री जी का जलाअभिषेक व महाशांति धारा परिवार व श्रद्धालुओं के साथ सम्पन्न की। इसके बाद भगवान समूचय पूजन, 16 कारण पूजन, पंचमेरू पूजन, भगवान महावीर स्वामी पूजन के साथ सिद्धचक्र विधान के 32 श्लोकों के साथ अष्टद्रव से बना महाअध्य भगवान के चरणों में समर्पित किया। कलाकरों ने अपनी मधुरवाणी से भजन सुनाए। सभी ने संगीतमय श्रीआदिनाथ भगवान की महाआरती की। रत्न श्री 105 सरस्वती भूषण माताजी, एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन व उनकी पत्नी संध्या जैन, समाजसेवी उद्योगपति दीपक जैन, अतुल जैन, जम्बु जैन, सिद्धार्थ जैन, विपिन जैन एवं सभी सदस्यों ने धर्म की झंडी दिखाकर विशाल रथयात्रा को शहर भ्रमण करने के लिए रवाना किया। 108 कलशों के साथ श्रीजी का जलाभिषेक किया।

महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही

रोहतक। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष उषा शर्मा की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि महिला परिवार के साथ समाज में भी अपनी अहम भूमिका निभा रही हैं। महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। इस अवसर पर महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष प्रतिभा सुमन, कार्यकारिणी प्रदेश सदस्य राजरानी शर्मा, मंडल अध्यक्ष गीता, महामंत्री वीणा सिक्का आदि रहे।

शिविर में 47 लोगों ने किया रक्तदान

रोहतक। वैद्य केसरदास सेवा समिति द्वारा लेबर चौक पर 33वें रक्तदान शिविर एवं आयुर्वेदिक चैकअप कैंप का आयोजन किया गया। समिति के संचालक राजेश सिंधवानी ने बताया कि शिविर में 47 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रक्तदान शिविर में सुभाष ने पहली बार, गौतम सहगल ने 11वीं बार, गौरव मनचंदा ने 15वीं बार, रमेश ने 5वीं बार रक्तदान किया। आयुर्वेदिक कैंप में 86 लोगों को फ्री आयुर्वेदिक दवाइयां दी गई। इस अवसर पर विनोद जुनेजा, संजीव सचदेवा, जय सिंधवानी आदि मौजूद रहे ।

जीडी गोयनका टोडलर हाउस में स्कॉलरशिप और फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- चिकित्सकों ने माता-पिता और बच्चों को साफ सफाई के महत्व बताए

सनसिटी सेक्टर 36 स्थित जीडी गोयन्का टोडलर हाउस में रविवार को स्कॉलरशिप और फ्री हेल्थ चेकअप कैम्प का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. सोनिया अरोड़ा (दंत विशेषज्ञ) और डॉक्टर जेपी अरोड़ा रहे। स्कूल डायरेक्टर बलराज सिंह एवं प्रिंसिपल अनामिका बल्हारा ने बताया कि स्कॉलरशिप परीक्षा बच्चों के बढ़ते हुए रूझान को देखते हुए रखी गई थी, कुछ विद्यार्थियों ने 100 प्रतिशत तक की स्कॉलरशिप प्राप्त की। चिकित्सकों ने माता-पिता और बच्चों को साफ सफाई के महत्व जैसे समय पर नाखुन काटना, रोजाना नहाना, मौसम के बदलाव से होने वाली बिमारियां और उनसे बचने के उपाय बताए। डॉ. सोनिया अरोड़ा ने बच्चों को रोजाना ब्रश करने और चॉकलेट, टॉफी कम खाने के सुझाव दिए। प्रधानाचार्य अनामिका बलहारा ने सभी का धन्यवाद किया।

एंज्वाए ग्रुप ने मनाया होली मिलन समारोह

रोहतक। एंज्वाए ग्रुप द्वारा झज्जर रोड स्थित सैनी धर्मशाला में होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया। समारोह के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक लोकगीतों, रंग-गुलाल और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम का आनंद लिया। अर्चना सैनी ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं के बीच आपसी सौहार्द एवं सामाजिक एकता को बढ़ावा देना रहा। अर्चना सैनी ने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए समाज में महिलाओं की भूमिका को और सशक्त बनाने का आह्वान किया। सभी ने एक-दूसरे को रंग लगाकर होली की बधाई दी। इस अवसर पर मंजू सैनी, सुनीता शर्मा, बेबी शर्मा, सुमन डागर, सुमन सैनी, राधा दुआ, राज रानी, सरोज मित्तल, एडवोकेट रिंकी भटनागर सहित अन्य उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

कार्यक्रम कार्यक्रम में सभी अपने पद की गरिमा को भूलकर भाईचारे की भावना में होते शरीक : बलजीत सिंह

निजी गार्डन में गोच्छवाल प्रवासी सोसायटी ने मनाया परिवार व होली मिलन समारोह

पूर्व विधायक व पूर्व समिति अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र पाल ने सभी का धन्यवाद किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

निजी गार्डन में गोच्छवाल प्रवासी सोसायटी द्वारा 7वां परिवार व होली मिलन समारोह मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संरक्षक ढालचंद अहलावत, वीरेंद्र सिंह, पूर्व विधायक वीरेंद्र पाल, गांव के सबसे बुजुर्ग जयकरण सिंह हेडमास्टर करण सिंह, कनाडा से आई सावित्री देवी सिंगापुर से आई राजकुमारी अहलावत ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गोच्छवाल प्रवासी सोसायटी के अध्यक्ष बलजीत सिंह ने भाषण में कहा कि मैं इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक मानता हूं, क्योंकि इस कार्यक्रम में हर कोई अपने पद की गरिमा को भूलकर भाईचारे की भावना से इस कार्यक्रम में शरीक होते हैं, यही इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी खासियत है। कार्यक्रम के अंत में पूर्व विधायक व पूर्व समिति अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र पाल ने सभी का कार्यक्रम में पहुंचने पर धन्यवाद किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सोसायटी उपाध्यक्ष रमेश अहलावत, जय सिंह अहलावत, जसवीर सिंह, युद्धवीर सिंह, एडवोकेट श्याम फूल, डॉ. रविंद्र पाल, यशवीर सिंह, धर्मवीर हुड्डा, कुलबीर सिंह, संजीव अहलावत, महावीर सिंह, महासचिव प्रेम सिंह, कोषाध्यक्ष बलवान सिंह, तेज सिंह रोहिल्ला, राजवीर सिंह रोहिल्ला, चंद्र प्रकाश भारद्वाज, गोच्छी गांव की सरपंच नीरज कुमारी, विजेंद्र सिंह, नरेश बंसल, जगबीर सिंह, सुभाष चंद्र, अखिल अहलावत, रविंद्र बिरला, बलवान सिंह, दिनेश हुड्डा, हरविंदर सिंह, प्रिंसिपल बलवान बिरला, एसडीओ भूपेंद्र सिंह, इंस्पेक्टर महाबीर सिंह, अंकित कुमार, प्रवीण कुमार, हेडमास्टर राज कपूर सिंह, डॉ. हरप्रकाश, बिजेंद्र सिंह चौहान, नगेंद्र हुड्डा, चंद्रपाल, एसडीओ कृष्ण कुमार, शमशेर सिंह पांचाल आदि मौजूद रहे।